**वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय**

**वानिकी महाविद्यालय,कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई**

**रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल-249199 (उत्तराखण्ड)**

**फोन नंबर : 01376 - 252 150**


# कृषि-मौसम परामर्श सेवा बुलेटिन, जनपद - अल्मोडा

**दिनांक- 31 मई, 2019**

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत मौसम केन्द्र, देहरादून से प्राप्त मौसम पूर्वानुमानित आँकड़ों के आधार पर जनपद अल्मोडा में अगले पाँच दिनो निम्न मौसम रहने की सम्भावना व्यक्त की जाती है:-

| मौसम प्राचल | मौसम पूर्वानुमान अवधि | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | 01-06-2019 (31 मई सुबह 08:30 बजे से 01 जून सुबह 08:30 बजे तक) | 02-06-2019 (01 जून सुबह 08:30 बजे से 02 जून सुबह 08:30 बजे तक) | 03-06-2019 (02 जून सुबह 08:30 बजे से 03 जून सुबह 08:30 बजे तक) | 04-06-2019 (03 जून सुबह 08:30 बजे से 04 जून सुबह 08:30 बजे तक) | 05-06-2019 (04 जून सुबह 08:30 बजे से 05 जून सुबह 08:30 बजे तक) |
| **वर्षा (मि.मी.)** | **0.0** | **0.0** | **2 (बहुत हल्की)** | **2 (बहुत हल्की)** | **0.0** |
| **आसमान में बादल आच्छादन** (ओक्टा: 0 से 8) 0 ओक्टा (पूरी तरह से साफ आसमान) 8 ओक्टा (पूरी तरह बादलों से घिरा आसमान) | 0 ओक्टा (साफ आसमान) | 0 ओक्टा (साफ आसमान) | 2 ओक्टा (मुख्यतः साफ) | 2 ओक्टा (मुख्यतः साफ) | 1 ओक्टा (मुख्यतः साफ) |
| **अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)** | 35 | 36 | 36 | 35 | 34 |
| **न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)** | 14 | 15 | 15 | 15 | 15 |
| **अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (%)** | 70 | 70 | 80 | 80 | 80 |
| **न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (%)** | 30 | 30 | 40 | 40 | 40 |
| **वायु की औसत गति (कि.मी./घंटा)** | 6 | 6 | 10 | 10 | 8 |
| **वायु की दिशा** | दक्षिण-पूर्व | दक्षिण-पूर्व | दक्षिण-पूर्व | दक्षिण-पूर्व | दक्षिण-पूर्व |

**कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल**(समुद्रतल से ऊँचाई-1827 मीटर)के प्रेक्षण अनुसार विगत सप्ताह (25 से 31 मई, 2019 सुबह 08:30 तक); मुख्यतः साफ आसमान से हल्के बादल छाये रहने के साथ 25 मई को हल्की बारिश (2.3 मिमी.) हुई| दिन का अधिकतम तापमान 20.5 से 29.7 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 10.0 से 16.1 डिग्री सेल्सियस रहा| इस दौरान पूर्वाहन 07:16 बजे सापेक्षित आर्द्रता 38 से 70 प्रतिशत तथा अपराहन 14:16 बजे को 20 से 42 प्रतिशत के मध्य रही| हवा की औसत गति 3.1 से 5.0 किमी० प्रति घंटा रही| सप्ताह के दौरान हवा उत्तर-पश्चिम व दक्षिण-पूर्व दिशा से चली|

**सामान्यीकृत अंतर वानस्पतिक सूचनांक** (Normalized Difference Vegetation Index) दिनांक 20 से 26 मई, 2019 के आधार पर कृषि ओज की स्थिति औसत (NDVI value 0.2 to 0.4) है|

**मानकीकृत वर्षा सूचनांक**(SPI_अवधि दिनांक 2 से 29 मई, 2019)के आधार पर जनपद में हल्के सूखे (Moderately dry_**SPI Value** 0.0 to -0.49) की स्थिति रही|

## मौसम आधारित कृषि सलाह

| फसल | अवस्था | कृषि मौसम सलाह |
|---|---|---|
| गेंहू | परिपक्वता | परिपक्व फसल की कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें\| धूप में अच्छी तरह सुखाकर मंड़ाई व भण्डारण करें\| |
| धान (सिंचित) | पौधशाला में बुवाई/पौध | बीज शोधन कर पौधशाला में बुवाई करें\| पौध तीन सप्ताह की हो गयी हो तो रोपण कार्य करें\| |
| झंगोरा, तोर, (ऊंचाई क्षेत्र_असिंचित) | पौध | बारिश उपरान्त निराई गुडाई करें व जैविक फफूंदनाशक का प्रयोग कर फफूंद रोग जनक से फसल सुरक्षा करें\| |
| प्याज, लहसुन | बल्ब विकास | हल्की सिंचाई कर उचित नमी बना कर रखें\| बेंगनी धब्बा रोग व फफूंद के लक्षण पत्तियों पर दिखाई दे तो रिडोमिल 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिडकाव करें\| दवा के घोल में चिपकने वाले पदार्थ को मिलाकर छिडकाव करें\| |
| अदरक | बुवाई | सूखी घास की पलवार बिछा दें\| खरपतवार हटा दें\| |
| आलू (ऊंचाई क्षेत्र_असिंचित) | वानस्पतिक वृद्धि /आलू निर्माण | मिट्टी चढाने का कार्य व पंक्तियों के बीच में सूखी घास की पलवार बिछा दें\| खरपतवार हटा दें\| |
| आड़ू, खुबानी, | फल बढ़वार /परिपक्वता | फल पकने की अवस्था पर कीटनाशक/फफूंदनाशी का प्रयोग न करें\| |
| सेब, अखरोट | फल बढ़वार | उचित नमी बनाए रखें\| नमी संरक्षण हेतु सूखी घास की पलवार बिछा दें\| |
| माल्टा | फूल/फल निर्माण | |
| टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन (घाटी क्षेत्र) | फूल/फल | तापमान व आर्द्रता को ध्यान रखते हुए सलाह है कि हल्की सिंचाई कर पौधों को सूखा रोग से बचाव करें\| सूखा रोग (पत्तियां हरापन लिए सूख रही हैं और तना निचली सतह से भूरे रंग का दिख रहा है) के लक्षण दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम दवा 1ग्राम या स्ट्रेप्टोसाईक्लिन 1ग्राम + ब्लाईटॉक्स (कॉपर ऑक्सीक्लोराइड) 3 ग्राम को प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर जड़ को सींच दें, 10-12 दिन के अंतराल पर दवा का प्रयोग दोहराएं\| पौधों को लकड़ी/ रस्सी का सहारा देकर सीधा खड़ा रखें\| |
| टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन (ऊंचाई क्षेत्र) | पौध | पौध तैयार हो तो शाम के समय प्रत्यारोपण करें\| पौध जड़ को जैव फफूंदनाशक से उपचारित कर रोपण करें\| |
| मशरूम उत्पादन | - | मशरूम उत्पादित कमरों में उचित आर्द्रता बनाए रखें\| खिडकियों पर महीन जाली व पॉलिथीन लगाकर रखें जिससे हवा के साथ कीट अंदर न आ सके\| |
| पशुपालन | - | हरा चारा पर्याप्त मात्रा में खिलाएं\| अन्तः परजीवी से बचाव हेतु दवा सेवन करवाएं\| दिन में 2-3 बार स्वच्छ पानी पीने के लिए दें\| बरसात/मानसून मौसम से पहले गाय-भैंस में खुरपका-मुंहपका रोग टीकाकरण करवाएं\| |
| वानिकी | - | जंगल की आग से सुरक्षा हेतु फायर लाइन बनायें\|<br>वर्षाकालीन वृक्षारोपण हेतु गड्डा खुदान कार्य करें\| चारा प्रजाति व फलदार वृक्ष के पौध की व्यवस्था करें\| |

**नोडल अधिकारी**
**कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी**

**तकनीकी अधिकारी**
**कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी**